100 करोड़ मिनट शुभकामना बैंक का हुआ उद्घाटन समारोह

गिदड़बाहा,25 जून( ): प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा विश्व में सद्भावना का संदेश फैलाने के लिए शुभकामना बैंक खोला जा रहा हैं जिसके अंतर्गत 24 जून से 15 अगस्त 2010 के बीच कुल 100 करोड़ मिनट की दुआयें संग्रहित करने की योजना बनाई गई हैं, स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा आज इस अभियान का उद्घाटन समारोह आयोजन किया गया। स्थानीय सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र0कु0 शीला बहन ने सभाग्रह में उपस्थित हमारा वर्तमान समाज समस्याओं, उलझनों, हिंसा, आतंकवाद, दुख-अशान्ति के भयावह दौर से गुजर रहा है। वर्तमान विषम परिस्थितियाँ मानव के लिए चुनौती के रूप में खड़ी हैं। हर व्यक्ति अपने-अपने स्तर पर हालात को सुधारने में लगा हुआ है लेकिन कहीं आशा की किरण दिखाई नहीं देती। कई बार हम भी अपने चारों ओर अपने
प्रियजनों को परेशानी में देखते हैं, उन्हें निराश, हताश पाते हैं, हम उनके लिए कुछ करना चाहते हैं लेकिन अपने को लाचार, बेबस अनुभव करते हैं। शुभकामना के चंद संकल्प द्वारा हम विश्व को बहुत कुछ दे सकते है।शुभकामना की शक्ति द्वारा विश्व में आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भावना
संपन्न माहौल का निर्माण कर सकते है। शुभकामना किसी के भले, कल्याण अथवा उन्नति के लिए ईश्वर से की गई सच्चे दिल की दुआ है। दुआओं में ईश्वरीय शक्ति होती है। ये जिसके प्रति की जाती हैं, उस तक पहुँचती जरूर हैं। समय और दूरी का अंतर भी इनकी शक्ति को कम नहीं करता है।

ब्र0कु0 शिखा बहन ने इस बैंक के बारे में बताते हुए कहा कि इस बैंक की प्रमुख विशेषता यह होगी कि इसे सारे विश्व में एक साथ, एक ही समय में और एक ही विधि से संचालित किया जायेगा। इस बैंक के माध्यम से ब्रह्माकुमारी संगठन से जुड़े हुए 11 लाख नियमित सदस्यों के अतिरिक्त समाज के सभी जाति, धर्म और व्यवसाय के लोगों तथा जनसामान्य को भी इस प्रोजेक्ट से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। बैंक के सदस्यों को प्रतिदिन कम-से-कम 5 मिनट शुभकामनाओं का सहयोग देना होगा। इस प्रकार 52 दिनों में 100 करोड़ से ज्यादा शुभकामनाओं के मिनट बैंक में संग्रहित हो सकेंगे। प्रतिदिन हिसाब रखने के लिए बैंक के सदस्यों को शुभकामना कार्ड भी प्रदान किये जायेंगे।
शुभकामना के रूप में हम सबके पास वो खज़ाना है जिसे हम किसी को, कहीं भी, कभी भी दे सकते हैं। शुभकामना की एक मिनट किसी मासूम के मुख पर मुसकराहट बिखेर सकती है, किसी की मुश्किलों को आसान बना सकती है, किसी मजबूर की मदद कर सकती है।

कार्यक्रम के मुख्य मेहमानों डी0एस0पी जगजीत सिंह भगताना, डा0 रवि कम्बोज, डा0 सुखदेव चहल व डा0 ऊषा ने कहा कि यह अभियान सभी के लिए बहुत ही लाभदायक होगा जिससे मन और हृदय
पूर्णतया शांत, धैर्यवत् और प्रेमपूर्ण हो जायेगा और इससे हम अकारण आवेश, आक्रोश, परेशानी और जल्दबाजी की स्थिति से बच सकते है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि कोई परिस्थिति या किसी का व्यवहार आपके मनोनुकूल नहीं होता, उस समय मन में तेजी से उलटे-सुलटे विचार चलते हैं, ऐसे समय पर भी आप शुभकामना देना सीख जायें तो हम अपना बहुत सारा समय और शक्ति नष्ट होने से बचा सकते हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित करके किया गया तथा कुमारी ननु ने सद्भावना के गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बिहारी लाल दुग्गल,पूर्व पार्षद, डा0 तिलक राज, रिटायर्ड ई0टी0ओ ए0एम शर्मा, डा0 रजनीश धीर, ओम प्रकाश, प्रधान पीरखाना, कशमीरी लाल एडवोकेट व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थें।